रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 13 | अंक 22 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रू.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार , 28 अक्टूबर 2025 से 3 नवम्बर 2025 तक

इंदौर को मिला खेल सुविधाओं का बड़ा तोहफा, 25 करोड़ की लागत से दो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का भूमिपूजन, मुख्यमंत्री मोहन यादव और कैलाश विजयवर्गीय रहे मौजूद

इंदौर। खेल प्रेमियों के लिए इंदौर से बड़ी खुशखबरी आई है। शहर के कबीटखेड़ी और नंदानगर क्षेत्रों में खिलाड़ियों की सुविधा के लिए करीब 25 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाए जाएंगे। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का भूमिपूजन रविवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और क्षेत्रीय विधायक रमेश मेंदोला की उपस्थिति में किया।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने शहर के विकास कार्यों के तहत करोड़ों की अन्य परियोजनाओं का लोकार्पण भी किया। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार, नंदानगर क्षेत्र में रोड नंबर 11 और 30 के बीच खाली पड़ी सरकारी जमीन पर 15 करोड़ 30 लाख रुपये की लागत से एक अत्याधुनिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा। विधानसभा क्षेत्र क्रमांक दो में अब तक कोई बड़ा खेल परिसर नहीं था, जिसके चलते क्षेत्र के खिलाड़ियों ने लंबे समय से इस मांग को उठाया था। विधायक रमेश मेंदोला ने इस विषय को सरकार के सामने रखा, जिसके बाद यह परियोजना मंजूर की गई।

इसी तरह कबीटखेड़ी क्षेत्र में भी 10 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत से दूसरा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स तैयार किया जाएगा। जनकार्य समिति प्रभारी राजेंद्र राठौर ने बताया कि दोनों ही स्थानों पर खेल सुविधाओं में एथलेटिक्स ट्रैक, इनडोर गेम्स हॉल, जिमनैजियम, बैडमिंटन कोर्ट और अन्य आधुनिक सुविधाएं शामिल की जाएंगी, जिससे स्थानीय खिलाड़ियों को प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के लिए बेहतर मंच मिल सकेगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर अब केवल स्वच्छता में ही नहीं बल्कि खेलों में भी नंबर वन बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और युवाओं को बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए कई योजनाएं शुरू कर रही है। कार्यक्रम के दौरान नगर निगम द्वारा खरीदी गई 60 अत्याधुनिक ड्रेनेज सफाई गाड़ियों का लोकार्पण भी किया गया। इन गाड़ियों के जरिए शहर की जाम पड़ी ड्रेनेज लाइनों की सफाई तेजी और कुशलता से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार इंदौर को खेल, स्वच्छता और विकास के क्षेत्र में एक मॉडल सिटी के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने यह भी बताया कि आने वाले समय में शहर के अन्य इलाकों में भी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाने की योजना पर काम चल रहा है।

इंदौर में ड्रग्स शिकायत पेटी अभियान शुरू: जनता से सीधे संवाद कर पुलिस करेगी कार्रवाई, डीसीपी करेंगे खुद मॉनिटरिंग

इंदौर। ड्रग्स और मादक पदार्थों की अवैध तस्करी पर नकेल कसने के लिए पुलिस ने एक नई पहल की है। अब थाने स्तर पर "ड्रग्स शिकायत निवारण पेटी अभियान" शुरू किया गया है। इस अभियान की शुरुआत जोन-1 के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र से की गई है। इस पहल का उद्देश्य यह है कि आम लोग बिना किसी डर या झिझक के अपनी शिकायतें सीधे पुलिस तक पहुंचा सकें। डीसीपी कृष्णलाल चंदानी ने बताया कि हाल ही में जोन-1 के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में रहवासियों के साथ संवाद किया गया था, जिसमें कुछ लोगों ने दबी जुबान में शिकायतें कीं, लेकिन खुलकर सामने नहीं आ पाए। उन्होंने कहा कि जब तक शिकायतें पुलिस तक नहीं पहुंचेंगी, तब तक उनके समाधान में दिक्कत बनी रहेगी। इसी वजह से अब हर थाने में शिकायत पेटी लगाई जाएगी। इसकी शुरुआत राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के भीम नगर से की गई है और जल्द ही जोन-1 के बाकी आठ थानों में भी यह पेटियां लगाई जाएंगी। इन पेटियों की निगरानी स्वयं डीसीपी स्तर पर की जाएगी ताकि कोई भी शिकायत अनसुनी न रह जाए। जहां पहली पेटी लगाई गई, वहां से अब तक कुल छह शिकायतें प्राप्त हुई हैं, जिनमें से तीन का निराकरण भी कर दिया गया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी शिकायतों को पूरी तरह गोपनीय रखा जा रहा है। शिकायतकर्ता का नाम या पहचान सार्वजनिक नहीं की जाएगी ताकि उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। पुलिस ने बताया कि पेटी में ताला और चाबी दोनों लगे हैं और इसकी मॉनिटरिंग डीसीपी कृष्णलाल चंदानी खुद कर रहे हैं। इससे न केवल शिकायतों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी बल्कि जवाबदेही भी बनी रहेगी। यह कदम शहर में पुलिस और जनता के बीच विश्वास बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक प्रयास माना जा रहा है।

सरकारी विभागों पर बिजली कंपनी का शिकंजा

अब 13 हजार कनेक्शन होंगे प्रीपेड सिस्टम में

इंदौर। सरकारी महकमों के बकाया बिजली बिलों ने आखिरकार बिजली विभाग को कठोर कदम उठाने पर मजबूर कर दिया है। निजी उपभोक्ताओं के बकाया पर तो बिजली कंपनी तत्काल कनेक्शन काट देती है, लेकिन सरकारी विभागों के मामले में ऐसा कर पाना आसान नहीं होता। इसीलिए इंदौर की पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने अब लगभग 13 हजार सरकारी विभागों के कनेक्शन पोस्टपेड की जगह प्रीपेड में बदल दिए हैं। यानी अब इन विभागों को बिजली का बिल अग्रिम जमा करना होगा, तभी उन्हें बिजली सप्लाई मिलेगी। कंपनी का कहना है कि यह कदम सरकारी विभागों से नियमित भुगतान सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है, क्योंकि अब तक कई विभाग करोड़ों के बकायों पर बैठे हैं। उदाहरण के तौर पर इंदौर नगर निगम ही नर्मदा परियोजना से जल वितरण के लिए हर माह करोड़ों रुपए की बिजली का उपयोग करता है, लेकिन इसका भुगतान समय पर नहीं कर पाता। परिणामस्वरूप, शासन को उसकी अन्य देय राशियों से बिजली बिल की वसूली करनी पड़ती है। हालांकि, नर्मदा पंप और जलूद जल वितरण जैसी आवश्यक सेवाओं की बिजली काटना संभव नहीं होता, जिससे हर महीने बकाया राशि और बढ़ती जाती है।

बिजली कंपनी ने बताया कि इंदौर-उज्जैन संभाग के सभी सरकारी विभागों को अब प्रीपेड बिलिंग प्रणाली में जोड़ा जा रहा है। इसका अर्थ है कि अब विभागों को बिजली उपयोग से पहले ही भुगतान करना होगा। साथ ही, इस व्यवस्था में कंपनी 0.25 पैसे प्रति यूनिट की छूट भी दे रही है, जिसका लाभ इन विभागों को भी मिलेगा। वहीं, स्मार्ट मीटर लगाने की प्रक्रिया भी तेज हो गई है। कंपनी ने अब तक करीब 13 लाख स्मार्ट मीटर स्थापित कर दिए हैं, जिनमें से साढ़े 5 लाख से अधिक तो सिर्फ इंदौर शहर में ही लग चुके हैं। महू, खरगोन, धार और झाबुआ में तो सौ प्रतिशत स्मार्ट मीटर लगाए जा चुके हैं। हालांकि, इन मीटरों का विरोध भी हो रहा है क्योंकि उपभोक्ताओं का आरोप है कि स्मार्ट मीटर लगने के बाद उनके बिजली बिल बढ़ गए हैं। उधर, हाल ही में केंद्र सरकार की नई अधिसूचना के बाद विद्युत नियामक आयोग ने नवकरणीय ऊर्जा क्रय दायित्व (Renewable Purchase Obligation) से संबंधित सभी याचिकाओं को समाप्त कर दिया है। पहले इंदौर सहित तीनों बिजली कंपनियों और कई संस्थाओं के खिलाफ इन मामलों में शिकायतें चल रही थीं, लेकिन अब इनकी निगरानी और अनुपालन की जिम्मेदारी सीधे केंद्र सरकार की नई व्यवस्था के तहत तय की गई है। कुल मिलाकर, बिजली विभाग ने सरकारी विभागों की लापरवाही पर लगाम कसने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है, जिससे आने वाले समय में न केवल भुगतान अनुशासन बढ़ेगा बल्कि उपभोक्ता जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी।

दीपावली महापर्व पर भटोनी में आज भी पुरानी परंपरा निभातें हुए गाय बछडा को छाबडा खिलाते हैं

संजय प्रेम जोशी

समीपस्थ भटोनी गांव में गाय बछडा को छाबडा खिलाते हुए आयोजन पर गांव व क्षेत्र वासी उत्साह से आयोजन को देख कर उत्साह मनाते है इस आयोजन में ग्राम पंचायत सेमली बुजुर्ग के ग्राम भटोनी में आज भी पुरानी परंपरा को चलाते हुए दीपावली की पड़वा के दिन गाय बछड़ा को छाबड़ा खिलाते हैं व खिलाते हुए ग्राम वासी एवं पटाखे वा ढोल द्वारा बड़े ही धूमधाम से दीपावली मनाई जाती है इस आयोजन पर ग्राम पंचायत के सरपंच अर्जुन सिंह सेंधव द्वारा जानकारी में बताया गया कि यह आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है व आयोजन पर भटोनी गांव में ढोल से पूरे गांव में निकल कर पटाखे फोड़ कर आयोजन पर उत्साह मनाया जाता है। ढोल के साथ गांव के वरिष्ठ जन व आमजन शामिल होते हैं व धूमधाम से आयोजन मनाते हैं।

क्यों जरुरी है स्वयं को जानना

जानें सहज योग से

जब तक हम स्वयं को नहीं जानेंगे हम ईश्वर को नहीं जान सकेंगे इसीलिए स्वयं को जानना होगा। हमारे अंदर स्थित आत्म तत्व से साक्षात्कार पाना ही आत्म साक्षात्कार है। नचिकेता की कथा से बात थोड़ी और स्पष्ट होती है। नचिकेता ने अपने पिता का विरोध किया था जब वे बीमार गायों को ब्राम्हणों को दान में रहे थे। नचिकेता चाहते थे पिता स्वस्थ गायों को दान में दें। नचिकेता की दखलअंदाजी से क्रोधित पिता वाजश्रवा ने क्रोध में आकर नचिकेता को ही यमराज को दान में दे दिया। नचिकेता के अच्छे गुणों से यमराज इतने खुश हुये कि उन्होंने नचिकेता से तीन वर मांगने को कहा। दो वर नचिकेता ने अपने पिता के लिए मांगा पहला यह कि उनका क्रोध समाप्त हो और दूसरा कि उन्हें स्वर्ग की प्राप्ति हो और तीसरे वर में नचिकेता ने आत्मा के रहस्य का ज्ञान जानने की इच्छा रखी। यमराज इस रहस्य को उजागर नहीं करना चाहते थे। पर नचिकेता रहस्य जानने के लिए अड़ गये। यमराज ने नचिकेता को जो आत्मा का रहस्य बताया वह कठोपनिषद में निम्न प्रकार से वर्णित है -

"यमराज ने कहा नचिकेता आत्मतत्व कोई साधारण बात नहीं है। संसार में अधिकांश मनुष्य ऐसे हैं जिनको आत्म कल्याण के बारे में कुछ भी सुनने को नहीं मिलता। वे ऐसे वातावरण में रहते हैं जहाँ प्रातः काल जगने से लेकर रात्रि को सोने तक केवल विषय पर ही चर्चा ही हुआ करती है। उनके मन में आत्म तत्व को सुनने समझने की कल्पना ही नहीं आती या मंदबुद्धि के कारण वो उसे समझ ही नहीं पाते हैं। परंतु तीक्ष्ण बुद्धि पुरुष उस आत्म तत्व को समझ लेते हैं वे आत्म तत्व को आत्मदर्शी आचार्य के द्वारा उपदेश प्राप्त करके अपने जीवन को सफल बनाते हैं।"

आत्मा सर्वशक्तिमान परमात्मा का प्रतिबिंब है। आत्मा के रुप में ईश्वर हमारे अंदर स्थित है। हमें उनका आभास नहीं होता क्योंकि हमारा चित्त उनमें नहीं होता हैं। चित्त के लिए हम सभी को स्वतंत्रता है कि जैसा चाहे अपने चित्त का इस्तेमाल करे। लेकिन यदि हम सचमुच ईश्वर को पाना चाहते हैं तो हमें अपने आत्मा का दर्शन के लिए शुद्ध इच्छा करनी होगी। हम चाहे किसी भी धर्म से जुड़े हों हमारे लिए ईश्वर एक शक्ति है, विश्वास है। यदि हम धार्मिक हैं तो हम ईश्वर के अस्तित्व पर विश्वास करते हैं। पर, उन्हें पा लेना हमारी कल्पना से परे है, हम इसे पूर्णतया असंभव समझते हैं।

इसी कल्पना को वास्तविकता बनाता है सहज योग। सहज योग माध्यम से आत्मसाक्षात्कार प्राप्त करना सरल है। आत्मसाक्षात्कार के बाद हम सबमें एक ही चीज प्रतिबिंबित होती है, वह है आत्मा का प्रकाश। फलस्वरूप हम अपनी हथेलियों व सिर के तालु भाग पर ठंडी लहरियों को महसूस करने लगते हैं, यह चैतन्य लहरी है। हर आत्मसाक्षात्कारी को अनुभव एक सा ही आता है। ये चैतन्य लहरियां ही ईश्वर की अनुभूति है। इन चैतन्य लहरियों को पाने के बाद हम निर्विचार समाधि में चले जाते हैं। यह वो अवस्था होती जिसके लिए संत हिमालय पर जाकर तप किया करते थे। अब इस घोर कलियुग में परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहज योग के माध्यम से यह ज्ञान सहजता से मिल रहा है। यह जड़ का ज्ञान है और इसके लिए हमें भी सुक्ष्म होना पड़ेगा ताकि हम अपने चित्त को अपने अंदर ले जा सके, कुंडलिनी जागृति की गूढ़ता को समझें और सहस्त्रार में परमात्मा के दिव्य शक्ति से संपर्क स्थापित कर सकें। ऐसा होते ही हम अपने सारे अवगुणों से मुक्त हो जाते हैं और अपने आत्मा रुपी दर्पण में अपनी दिव्यता को देखने में समर्थ हो जाते हैं।

मन में भक्ति, कर्म में सेवा यही हैं शिवम शिवहरे की पहचान करैरा का युवा, जो गरीब, आदिवासी और हर वर्ग के लोगों का बन गया सहारा

जगदीश पाल

कहा गया है — "जहाँ दूसरों के आँसू पोंछे जाते हैं, वहीं भगवान बसते हैं।" यह वाक्य करैरा के युवा शिवम् शिवहरे के जीवन पर अक्षरशः लागू होता है। उन्होंने छोटी उम्र में ही यह सिद्ध कर दिया कि समाज सेवा के लिए बड़े पद या शक्ति की नहीं, बल्कि बड़े दिल और सच्चे भाव की आवश्यकता होती है। शिवम् शिवहरे करैरा नगर के ऐसे सेवाभावी और धार्मिक प्रवृत्ति के युवक हैं, जिन्होंने धर्म को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे जनसेवा का मार्ग बना लिया। उनके लिए मंदिर की घंटी बजाने से बड़ा पुण्य किसी भूखे की थाली भरना है।

वे कहते हैं अगर कोई भूखा है, तो उसकी थाली भरना ही सबसे बड़ा पूजा-पाठ है; धर्म वहीं है जहाँ करुणा

है। पिछले कुछ वर्षों में शिवम् ने कई ऐसी मिसालें कायम की हैं, जो आज पूरे क्षेत्र में प्रेरणा बन चुकी हैं। कभी उन्होंने किसी बीमार व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाया, तो कभी अनाथ और जरूरतमंद बच्चों को कपड़े, जूते और शिक्षा सामग्री उपलब्ध कराई। अनेक बार वे आदिवासी बस्तियों में स्वयं जाकर भोजन, दवा और आवश्यक सामग्री का वितरण करते रहे हैं। उनकी यह निस्वार्थ सेवा भावना ही है, जिसने उन्हें गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्गों का सच्चा सहारा बना दिया है।

धार्मिक दृष्टि से भी शिवम् शिवहरे अत्यंत सक्रिय हैं। सावन, रामनवमी, हनुमान जयंती और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी जैसे अवसरों पर वे स्वयं आगे बढ़कर सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ, भंडारा और गौसेवा के आयोजन करते हैं। उनकी भक्ति और सेवा, दीपक की लौ और उसकी बाती की तरह एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं — एक बिना दूसरे अधूरी। शिवम् की सोच से प्रेरित होकर करैरा के कई युवा अब "सेवा ही धर्म है" अभियान के साथ उनसे जुड़े हैं। इस समूह द्वारा रोज़ किसी न किसी गरीब परिवार की सहायता की जाती है कभी राशन, कभी शिक्षा, तो कभी चिकित्सा के रूप में। स्थानीय लोगों का कहना है कि शिवम् शिवहरे का व्यवहार विनम्र, संस्कारित और सरल है। वे हर व्यक्ति से मुस्कुराकर मिलते हैं, चाहे वह अमीर हो या गरीब। उनके भीतर एक ऐसा भाव है जो समाज में मानवता, एकता और प्रेम का संदेश देता है। आज जहाँ अधिकतर युवा अपनी व्यस्तता में समाज से दूर हो गए हैं, वहीं शिवम् शिवहरे हर दुखी व्यक्ति तक पहुँचने की कोशिश करते हैं। वे किसी पद या प्रसिद्धि के मोह से परे, केवल सेवा को ही अपना जीवन धर्म मानते हैं। अंत में इतना कहना पर्याप्त है अगर सेवा एक दीपक है, तो शिवम् शिवहरे उसकी लौ हैं, जो करैरा की गलियों में निस्वार्थ भक्ति और मानवता का उजाला फैला रहे हैं।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार , 28 अक्टूबर 2025 से 3 नवम्बर 2025 तक

शहर में बेहतर यातायात हेतु जागरूक नागरिकों ने की भागीदारी..., इंदौर पुलिस ने भी तत्परता से कार्यवाही कर निभाई अपनी जिम्मेदारी

इंदौर पुलिस की ट्रैफिक हेल्पलाइन पर एक माह मे आई 590 शिकायतें, जिनमे से 564 का तत्समय ही किया समाधान

आदित्य शर्मा

इंदौर - शहर में सुगम सुरक्षित व सुखद यातायात हेतु पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में इंदौर यातायात प्रबंधन पुलिस द्वारा 22.09.25 से एक व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर – 7049107620 जारी किया गया है। और इस पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्यवाही कर समाधान के लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उक्त हेल्पलाइन पर कल 22.10.25 को ट्रैफिक पुलिस को कुल 05 शिकायते प्राप्त हुई, जिनमें से 03 का त्वरित निराकरण कर दिया। कल कुछ इस प्रकार की शिकायते आई-

1. कार के सनरूफ का गलत उपयोग करने संबंधी।
2. BRTS लेन में गाड़िया चलाने से एक्सीडेंट का खतरा होने संबंधी
3. कार की नंबर प्लेट हिंदी में होने संबंधी।
4. द्वारिकापुरी में झगड़ा होने के बारें में।
5. दुकानों के बाहर अवैध पार्किंग।

उक्त 05 शिकायतों में उल्लेखित समस्याओ पर त्वरित कार्यवाही कर 03 का तत्समय ही समाधान किया गया व नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्यवाही भी की गई है, शेष 02 पर भी कार्यवाही की जा रही हैं। उक्त हेल्पलाइन शुरू होने 22 सितंबर से 22 अक्टूबर 2025 तक एक माह में कुल 590 शिकायत प्राप्त हुई जिनमे से 564 शिकायतो का त्वरित निराकरण किया गया है, शेष 26 शिकायतों पर भी संबंधित विभाग से समन्वय कर कार्यवाही की जा रही है। आम नागरिकों से अनुरोध है कि सुव्यवस्थित यातायात हेतु इंदौर पुलिस को सहयोग दें और किसी भी प्रकार की ट्रैफिक संबंधी समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर– 7049107620 पर सूचना दें।

मध्य प्रदेश में अब मुख्य सचिव तक पहुंचेंगी सीएम हेल्पलाइन की पेंडिंग शिकायतें

आदित्य शर्मा- 8224951278

भोपाल। मुख्यमंत्री (सीएम) हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों का शीघ्र समाधान हो, इसके लिए अब संबंधित विभाग के अधिकारी के अलावा लंबित शिकायतें मुख्य सचिव तक पहुंचेंगी। मध्य प्रदेश सरकार एल-4 के बाद अब एल-5 स्तर को भी जोड़ने जा रही है। यहां मुख्य सचिव और अपर मुख्य सचिव की निगरानी में लंबित शिकायतों का समाधान होगा। एल-1 यानी पहले स्तर के अधिकारी को जवाबदेह बनाने के लिए कार्रवाई विवरण भरने के कालम में संबंधित अधिकारी के हस्ताक्षर अनिवार्य होंगे। इसके अलावा अन्य स्तर पर भी अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षर करने का नियम लागू किया जाएगा। सीएम हेल्पलाइन-181 में दर्ज समस्याओं के समाधान में लगातार देरी के बीच राज्य सरकार इसमें यह महत्वपूर्ण बदलाव करने जा रही है।

फोर्स क्लोज करने से पहले शिकायतकर्ता को बताना होगा कारण-:

शिकायतों के निराकरण के लिए एल-1, एल-2, एल-3 व एल-4 हैं। एल-1 से एल-3 तक निराकरण नहीं होता है तो वह एल-4 पर जाती हैं। यहां फिर भी लंबित रहती हैं या उसे फोर्स क्लोज कर दिया जाता है। अब ऐसा करने से पहले एल-5 लेबल पर मुख्य सचिव या अपर मुख्य सचिव भी शिकायतों का समाधान करेंगे। इसके अलावा शिकायतकर्ता को यह भी बताना होगा कि उसकी शिकायत को फोर्स क्लोज क्यों किया जा रहा है।

गुजरात मॉडल पर होगा काम-:

यह पूरी व्यवस्था गुजरात मॉडल पर होगी। इसके लिए मप्र सरकार के अधिकारियों का एक दल गुजरात भेजा गया था। यहां दल ने गुजरात की सीएम हेल्पलाइन की कार्यप्रणाली और निराकरण करने के तरीके व मानीटरिंग सिस्टम को समझा। गुजरात से आए दल ने मध्य प्रदेश की सीएम हेल्पलाइन की विशेषताओं और खामियों का अध्ययन कर रिपोर्ट पेश की थी। इसमें बताया गया कि एल-1 स्तर पर उचित जिम्मेदारी नहीं होने से शिकायतों के समाधान में देरी होती है। अधिकांश कार्रवाई का विवरण कंप्यूटर आपरेटरों के भरोसे चलता है, जिसमें शिकायत का केवल प्रारंभिक ब्यौरा ही दिया जाता है। इस रिपोर्ट के आधार पर ही नई व्यवस्था की जा रही है।

यह कार्रवाई अभी प्रस्तावित है-:

गुजरात मॉडल की तर्ज पर मध्य प्रदेश में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतें के निराकरण के लिए एल-5 स्तर को जोड़ा जा रहा है, इसमें मुख्य सचिव तक शिकायतें भेजी जाएगी। यह कार्रवाई अभी प्रस्तावित है, शासन से अनुमति मिलने पर लागू करेंगे। - संदीप आष्ठाना, अवर सचिव, मुख्यमंत्री सचिवालय

भाईदूज हमारी संस्कृति की आत्मा, भाई-बहन के स्नेह और अपनत्व का है प्रतीक

इंदौर । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भाईदूज हमारी भारतीय संस्कृति की आत्मा है। यह पर्व भाई और बहन के सहोदर स्नेह, परस्पर अपनत्व का प्रतीक है।

भाईदूज भाई-बहन के पवित्र बंधन के नैसर्गिक संरक्षण और पारिवारिक जीवन मूल्यों को मजबूत बनाता है। यह पर्व भारतीय समाज की उस देशज परम्परा का निर्वहन है, जहां बहन के स्नेह में भाई का नैतिक दायित्व और जीवन पर्यन्त रक्षा का संकल्प निहित होता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाईदूज का यह पर्व न केवल भाई-बहन के स्नेह का उत्सव है, बल्कि सामाजिक एकता, नारी सम्मान के साथ हमारे पारिवारिक जीवन मूल्यों के संरक्षण का प्रतीक भी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को मुख्यमंत्री निवास परिसर में आयोजित (भातृ द्वितीया/यम द्वितीया) भाईदूज के विशेष कार्यक्रम में बहनों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बहनों के साथ आत्मीय संवाद कर सभी को भाईदूज की शुभकामनाएं दीं। प्रदेश की बहनों के साथ संवाद के दौरान उनसे राज्य सरकार की योजनाओं, उपलब्धियों और भावी प्राथमिकताओं की जानकारी भी साझा की। उन्होंने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे लाड़ली बहनों के रूप में 1 करोड़ 26 लाख से अधिक बहनें मिली हैं। हम बहनों के जीवन में नई रोशनी, नई खुशी जोड़ रहे हैं। प्रदेश की सभी लाडली बहनों को अब हर माह 1500 रुपए मिलेंगे। बहनों के लिए सरकार के खजाने में कोई कमी नहीं है। बहनों के शब्द और उद्गार सुनकर अभिभूत हूं। हमारी बहनें लक्ष्मी, सरस्वती और पार्वती का समग्र रूप हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा प्रदेश है।

उम्र बीत गई...

उम्र बीत गई, उम्र बिताते बीतते,
हर दिन गुज़र गया कुछ नया पाने में।
वो सपनों की राहें, अब यादों की गलियाँ बनीं,
जहां कल था उजाला, आज धुंध सी छाई कहीं।

वहीं रोज़ निकल गया, रोज़ पूरा करने में,
कभी वक्त का पीछा किया, कभी खुद से दूर रहने में।
हर पल किसी मंज़िल की आस में थकते रहे,
और मंज़िल मिली तो दिल ने कहा — "अब क्या बचे?"

आज अपना वो पराया, और जो पराया वो अपना,
समय ने सब बदल दिया, चेहरों के साथ सपना।
कभी जिनके बिना जीवन अधूरा लगता था,
आज वही भीड़ में खोए, अनजान से लगते हैं।

पर फिर भी जीवन का ये सफर खूबसूरत है,
क्योंकि हर मोड़ पर एक सबक, एक कहानी जुड़ी है।
उम्र बीत गई सही, पर एहसास अब भी ज़िंदा हैं —
दिल कहता है, "चलो, आज भी कुछ नया जी लिया जाए।"

कवि-गोपाल गावंडे

दिखावे से दूर यथार्थ में जीना सिखाता है सहज योग

यह समय एक ऐसा समय है जब ज्यादातर लोग स्वयं को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने की दौड़ में शामिल हैं। बच्चे पैदा होने से, जन्मदिन, विवाह और मृत्यू तक सभी यह प्रयास करते हैं कि आयोजन बढिया हो, कहीं कोई कमी किसी को नज़र ना आये। प्रदर्शनकारी व्यक्ति अपने सभी आयोजनों को अपनी नजरों से ना देखकर दूसरों की नजरों से देखता है। यहाँ हम स्वयं से इस तरह दूर होने लगते हैं कि हमें इसका आभास भी नहीं होता। खुशी और गम हमारे अपने हैं, उसके उद्गार में किसी दिखावे की आवश्यकता नहीं है। हर व्यक्ति की अपनी एक कार्यक्षमता या सीमा होती है, अपनी क्षमता के अनुसार जितना प्राप्त होता है उतने में खुश होना श्रेयकर है।

इसके विपरीत जब इंसान अपनी काबिलियत बढ़ाने में सक्षम नहीं होता है, तो दिखावा करना शुरू कर देता है। यह साबित करने के लिए कि वह किसी से कम नहीं है परंतु यह दिखावा हमें खुशी और संतुष्टि नहीं दे सकता। हम जैसे हैं वैसे ही रहना है क्योंकि अपनी हैसियत के हिसाब से आयोजन करना हमें आत्मसंतुष्टि देगा। जबकि दिखावे के लिए किया गया हर प्रयोजन अंहकार को जन्म देगा। परंतु परमपूज्य श्री माताजी निर्मला देवी प्रणीत सहज योग में हमारा मन परिवर्तन होता है

व हम इतने अधिक सहज व संतुष्ट हो जाते हैं कि हम जैसे हैं वैसे ही रहने में सुख महसूस करते हैं। सहज ध्यान हमें स्वंय को देखना सिखाता है, हमारे चक्रों को चैतन्य से पोषित कर हमारे गुणों से हमारा आत्मसाक्षात्कार करवाता है। सहज योग में ऐसे सच्चे और ईमानदार व्यक्ति हैं जो जैसा बोलते हैं वैसा ही करते हैं। उनमें दिखावा नहीं के बराबर होता है। ऐसे व्यक्ति देश के लिए भी आशीर्वाद हैं। वास्तव में आनंद का कोई मोल नहीं होता। आनंद बांटने के लिए सिर्फ आनंदित होना ही काफी है। हम आनंद में रहेंगे तो हमारे साथ वाले भी आनंदित ही होंगे। सहज योग से आत्मा का जो सुख मिलता है वह हर सुख से परे है। श्री माताजी कहती हैं 'आत्मेनव आत्मनः संतुष्ट' यानि आत्मा से ही आत्मा तुष्ट हो जाती है वैसे ही जैसे अमृतपान के बाद फिर किसी और चीज की जरुरत नहीं होती। जब हम परमात्मा के साम्राज्य के अंग हो जाते हैं तब हम अपने सुख व शांति के लिए परमात्मा के आशीर्वाद के पात्र हो जाते हैं।

दिनाकं 24 नवंबर 1980 के अपने एक प्रवचन में परम पूज्य श्री माताजी ने कहा, 'सहज योग एक ऐसी चीज़ है जो आपकी वास्तविकता को आपके भीतर स्थापित करती है, जिससे आप सुरक्षित महसूस करते हैं क्योंकि आपकी वास्तविकता सुंदर है। यह आनंद है और फिर आप इससे भागना नहीं चाहते। यही हमें समझना है, कि हम अपनी वास्तविकता को प्राप्त करने, खुद को जानने के लिए यहाँ हैं।' श्री माताजी की बातों को आत्मसात करने हेतु चलिये सहज योग ध्यान से जुड़ते हैं। आप आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है।

भक्ति और सेवा का पर्व बना जन्मदिन- कुणाल पंचोली का प्रेरक उदाहरण

राजेश धाकड़

फ़िल्म जगत में अपनी पहचान बना चुके और समाजसेवा में हमेशा आगे रहने वाले कुणाल पंचोली ने इस बार अपना जन्मदिन कुछ अलग अंदाज़ में मनाया। संयोग से इस वर्ष उनका जन्मदिन धनतेरस के शुभ पर्व पर पड़ा, जिसे उन्होंने भक्ति, सेवा और दान के संगम के रूप में मनाया। महादेव के अनन्य भक्त पं कुणाल पंचोली ने दिन की शुरुआत महाकाल आराधना से की। मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद उन्होंने गौमाता की सेवा करते हुए गौशाला में चारा वितरित किया। इसके बाद ज़रूरतमंदों और असहाय लोगों को भोजन, वस्त्र और दान सामग्री वितरित कर मानवता की मिसाल पेश की। कुणाल पंचोली ने कहा, मेरे लिए जन्मदिन सिर्फ़ उत्सव नहीं, बल्कि धन्यवाद का दिन है, महादेव और समाज दोनों के प्रति। अगर हर इंसान अपने विशेष दिन पर किसी ज़रूरतमंद की मदद करे, तो वही सच्ची पूजा है। हर वर्ष की तरह इस बार भी कुणाल ने गौवंश की सेवा और दान की परंपरा को निभाया। उनके इस आध्यात्मिक और मानवीय पहल की सराहना सोशल मीडिया पर खूब हो रही है। लोग कह

रहे हैं कि आज के दौर में कुणाल जैसे कलाकार ही समाज में सकारात्मक सोच और संस्कारों का संचार कर रहे हैं। कला, अध्यात्म और सेवा, इन तीनों का सुंदर संगम पं कुणाल पंचोली के जीवन में साफ़ झलकता है। महादेव की भक्ति और मानवीय संवेदना का यह मिलन उन्हें एक अलग पहचान देता है।

सांवरिया सेठ फाउंडेशन ने बच्चों के साथ मनाई दिवाली, बाँटी खुशियाँ और मुस्कानें

राजेश धाकड़

इंदौर। इस वर्ष दिवाली के पावन अवसर पर सांवरिया सेठ फाउंडेशन की पूरी टीम ने समाजसेवा का सुंदर उदाहरण प्रस्तुत किया। फाउंडेशन के सदस्यों ने मिलकर निर्धन और जरूरतमंद बच्चों के बीच जाकर उनके साथ दिवाली का त्योहार मनाया। टीम ने बच्चों को पटाखे, मिठाइयाँ, दीये और उपहार वितरित किए। इस अवसर पर बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह देखते ही बनता था। पूरे वातावरण में उल्लास और अपनापन झलक रहा था। संस्था के संस्थापक जयु दवाने ने कहा कि "दिवाली का सच्चा अर्थ केवल अपने घर को रोशन करना नहीं, बल्कि किसी और के जीवन में भी उजाला फैलाना है। भगवान से यही प्रार्थना है कि इस वर्ष हर घर में दीपक जले, हर मन में आनंद और हर चेहरे पर मुस्कान हो।"उन्होंने आगे कहा कि सांवरिया सेठ फाउंडेशन सदैव समाज सेवा और मानवता के कार्यों में अग्रसर रहेगा। संस्था की टीम द्वारा गरीब और बेसहारा बच्चों के लिए समय-समय पर सहयोगात्मक कार्य किए जाते हैं।कार्यक्रम के अंत में बच्चों के साथ सामूहिक रूप से दीप जलाकर "सबका

उजाला सबके साथ" का संदेश दिया गया। सांवरिया सेठ फाउंडेशन – सेवा, संस्कार और सद्भाव का प्रतीक।

एमआईजी थाना अंतर्गत स्वर्ण बाग कॉलोनी में हुई हत्या के आरोपी थाना एमआईजी की गिरफ्त में

दीपक वाड़ेकर

इंदौर। थाना एम आई जी 'घटना घटित होने के 12 घंटे के भीतर पुलिस ने की कार्रवायी मामूली विवाद पर से आरोपियों ने दिया था हत्या की वारदात को अंजाम दोनों आरोपी घटना में प्रयुक्त स्कूटी से पुलिस को देखकर भागे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ा

घटना का संक्षिप्त विवरण

फरियादी आयुष रणछौर पिता सुनिल रणछोर उम्र 19 साल निवासी 238 स्वर्णबाग कालोनी इन्दौर ने थाने आकर बताया कि वह लाईट फिटिंग का काम करता है दिनाक 21/10/2025 को दोपहर 12.45 बजे की बात है कि फरियादी अपने दोस्त शुभम व क्षितिज खोमने (मृतक) के साथ मोनू किराना स्टोर के पास वाली गली में बैठे हुए थे तभी एक स्कुटी एक्सीस 125 सी.सी. व एक मोटरसाईकल पर सवार होकर करण उर्फ रोक व कालू उर्फ चाकू व एक अन्य आरोपी हमारे पास आये और अभिषेक उर्फ कालू तथा करण दोनो गाड़ी से उत्तर कर मेरे दोस्त क्षितिज के नजदीक आये और करण ने क्षितिज के बाल पकड कर खड़ा किया और बोला कि क्यो रे कल के विवाद में तू बहुत तेज चल रहा था और सभी लोग मां बहन की नंगी नंगी गालीया देने लगे तभी हमने बोला कि क्षितिज को छोड दो वह नहीं माने और करण ने कमर से चाकू निकाला और अभिषेक उर्फ कालू ने करण से चाकू छिन कर जान से मारने की नियत से क्षितिज के बाये कुल्हे पर व बाये जांघ पर पिछे वार किये जिससे क्षितिज को चोट लगकर खून निकलने लगा चाकू मार कर वह अपनी गाडीयो से भाग गये। तभी क्षितिज की मम्मी रितु खोमने व भाई

भी आ गये और हम सभी ने क्षितिज को डी.एन. एस. अस्पताल लेकर गये जहा उसका इलाज चालू हुआ। कुछ देर बाद डाक्टर साहाब ने क्षितिज को मृत होना बताया। फरियादी की रिपोर्ट पर से थाना एमआईजी पर हत्या का अपराध क्रमांक 516/25 धारा 103, 296.34 बी.एन.एस का पंजीबद्ध किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्त महोदय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह एवं एडिशनल कमिश्नर पुलिस इंदौर श्री अमित सिंह द्वारा तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। पुलिस उपायुक्त जोन 2 श्री कुमार प्रतीक द्वारा अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन 2. श्री अमरेंद्र सिंह एवं सहायक पुलिस आयुक्त परदेसीपुरा श्रीमती हिमानी मिश्रा को तत्काल कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया एवं थाना प्रभारी सी०बी० सिंह के नेतृत्व में आरोपियों को पकड़ने के लिए एक विशेष टीम का गठन कर तत्काल कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया। गठित टीम द्वारा घटनास्थल के आसपास सी.सी.टी.वी फुटेज प्राप्त किये गए, जिसके आधार पर कार्य करते हुए गठित टीम द्वारा प्रकरण के आरोपी अभिषेक कालू और करण उर्फ रॉक के घर पर दबिश दी गई लेकिन दोनों घरों से फरार हो चुके थे। बाद रात्रि में मुखबीर सूचना मिली कि हत्या के आरोपी श्री माया होटल के पीछे एबी रोड पर खाली मैदान में गाड़ी पर बैठे हुए हैं भागने की योजना बना रहे हैं टीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर आरोपी गण की घेराबंदी की गई आरोपी पुलिस को देखकर गाड़ी से भागे टीम द्वारा पीछा किया गया दोनों आरोपी उबड़ खाबड जगह में गाड़ी घुसा दी फिसलने से दोनों आरोपी गिर पड़े बाद दोनों आरोपी अभिषेक उर्फ कालू पिता मंसाराम खंडे उम्र 25 साल निवासी सुंदर नगर इंदौर व करण उर्फ रॉक पिता संतोष भगोरे निवासी सुंदर नगर इंदौर को गिरफ्तार किया गया तथा घटना में प्रयुक्त गाड़ी भी जप्त कर ली अन्य आरोपीगर्णा के बारे में पूछताछ की जा रही है घटना में प्रयुक्त चाकू के बारे में भी पूछताछ जारी है आरोपीगणों का पुलिस रिमांड लिया जा रहा है।

आरोपी गण द्वारा घटना से एक दिन पहले मामूली विवाद मृतक क्षितिज खोमने और उसके साथियों के साथ होना बताया था जिसमें मृतक द्वारा आरोपीगणों की बेइज्जती की गई थी, जिसका बदला लेने के लिए आरोपीगणों द्वारा क्षितिज की हत्या की गई। आरोपीगणों से अपराध में प्रयुक्त एक एक्सेस गाड़ी जप्त की गई है।

आरोपीगण पूर्व से 1 साल के लिए बाउंडओवर है जिन पर बाउंड ओवर की शर्त तोड़ने पर पृथक से कार्रवाई की जा रही है।"

गिरफ्तार आरोपीगण

1. अभिषेक उर्फ कालू पिता मंसाराम खंडे उम्र 25 साल निवासी सुंदर नगर इंदौर

2. करण उर्फ रॉक पिता संतोष भगोरे उम्र 26 वर्ष निवासी सुंदर नगर इंदौर

जप्त मश्रूगा 01 सुजूकी ऐक्सेस कंपनी की स्कूटी क्रमांक एमपी 09/DZ/1530

सराहनीय भनिका

संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी एमआईजी श्री सी.बी. सिंह तथा उनकी टीम उप निरीक्षक राहुल डाबर उप निरीक्षक कमल माहेश्वरी, उपनिरीक्षक अरुण मलिक ए.एस.आई आनंद कुमार प्रधान आरक्षक लोकेंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक राजकुमार चौबे, प्रधान आरक्षक मनोहर सिंह प्रधान आरक्षक सत्येंद्र सिंह, प्रधान आरक्षक शिव यादव, प्रधान आरक्षक राजू तथा साइबर सेल के आरक्षक प्रवीण की सराहनीय भूमिका रही।

श्री आदिशंकराचार्य वर्णित आत्मैक्य बोध का ज्ञान ही सहजयोग

वदन्तु शास्त्राणि यजन्तु देवान् कुर्वन्तु कर्माणि भजन्तु देवताः ।

आत्मैक्यबोधेन बिना विमुक्तिः न सिध्यति ब्रह्मशतान्तरेऽपि ॥

श्री आदिशंकराचार्य प. पूज्य श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग आत्मबोध या आत्मतत्व की बात करता है। जब हम आत्म तत्व की बात करते हैं तो हमें लगेगा कि ये बड़ा जटिल विषय है। आत्मा-परमात्मा, ये बातें हमें रोजमर्रा के जीवन में उपयोग में आनेवाली नहीं लगती। परंतु जीवन में हम सभी कुछ न कुछ खोज रहे हैं, और हमारी ये खोज तभी पूर्ण होगी जब हम हमारे आत्मतत्व को जान जाएंगे। सहजयोग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब उसे यह अनुभूति उसके हृदय में और उसके सूक्ष्म शरीर पर होती है। परंतु आज के विज्ञान के युग में हम भ्रमित हैं तथा माया और भ्रम का प्रभाव इतना अधिक है कि कई बार मानव सत्य को समझ नहीं पाता। बाहर का आडंबर, कर्मकांड, छद्म, कट्टरता, अंधविश्वास को ही धर्म या योग समझ लेता है। इसलिये

श्री आदिशंकराचार्य ने अपने शिष्यों को ग्रंथ 'विवेकचूडामणि में वैज्ञानिक दृष्टीकोण से सत्य अनुभव करने को कहा। उपरोक्त वर्णित श्लोक में वे कहते हैं, भले ही कोई शास्त्रों का ज्ञान प्राप्त करे, सभी देवताओं का पूजन करे, सभी प्रकारके कर्मकांड करे, देवताओं का भजन करे परंतु जब तक जीव ध्यान के माध्यम से आत्मा में पूर्ण रूप से स्थापित नहीं होता तब तक मुक्ति नहीं मिल सकती। भले ही करोड़ों वर्ष क्यों न बीत जायें, मोक्ष के लिये आत्मा में स्थापित होना जरूरी है। प.पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि, आत्मसाक्षात्कार पाये बिना आत्मा में स्थित नहीं हो सकते। और जब आपको आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तो आप चित्त को अंतर्मुखी बनाकर अपने हृदय में या सहस्त्रार चक्र यानि कि ब्रह्मरंध्र पर स्थिर करने की कला सीख सकते हैं। और आप भूत व भविष्य के विचारों से मुक्त होकर वर्तमान में स्थित हो जाते हैं। निर्विचार ध्यान का अनुभव आपको अंदर से शक्तिवान और आनंदमयी बना देता है। समस्त तनाव, परेशानियां, रोग, शोक आदि से आप मुक्त हो जाते हैं। इस अद्भुत व अकल्पनीय अनुभव को प्राप्त करने हेतु सहजयोग ध्यान को एक अवसर अवश्य प्रदान करें। नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते हैं।

करैरा पुलिहो नें 2 स्थाई वारंटी और 2 गिरफ्तारी वारंटी दबोचे, कोर्ट ने सभी को जेल भेजा

दीपक परमार

करैरा : पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले और एसडीओपी करैरा आयुष जाखड़ (IPS) के निर्देशन में चल रहे विशेष अभियान के तहत करैरा पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है पुलिस ने 2 स्थाई वारंटी और 2 गिरफ्तारी वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया, जहां से सभी को उप जेल करैरा भेज दिया गया अभियान के तहत थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया

गिरफ्तार वारंटियों का विवरणः (1) दीपक उर्फ रायडू जाटव, निवासी चंगेज पहाड़ी — करैरा का सूचीबद्ध गुंडा, जो चार अलग-अलग मामलों में वांछित था उसके खिलाफ हत्या के प्रयास, अवैध हथियार रखने, आगजनी और मारपीट सहित 10 से अधिक आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं दीपावली पर घर लौटने पर मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने उसे दबोच लिया

(2) नरेंद्र रावत, निवासी रमगढ़ा — दो चेक बाउंस मामलों में वांछित चल रहा था

(3) तोरन जाटव, निवासी ग्राम खड़ीचा — विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत वर्ष 2019 में दर्ज प्रकरण में स्थाई वारंटी था।

(4) मंगल सिंह जाटव, निवासी ग्राम सिलरा — विद्युत अधिनियम धारा 135 के मामले में 2019 से स्थाई वारंटी थासभी आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद कोर्ट ने उप जेल करैरा भेजने के आदेश दिए।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीमः

थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छाबई, उनि. पुष्पेन्द्र सिंह चौहान, सउनि. शैलेन्द्र सिंह चौहान, प्रआर. राजेन्द्र यादव, प्रआर. शरद कुमार, आर. मनीष कुमार, आर. गोविन्द्र रावत, आर. राघवेन्द्र पाल, तथा एनआरएस मनमोहन तोमर, एनआरएस मिथुन परिहार, एनआरएस उदल सिंह, एनआरएस सुमित गुप्ता की विशेष भूमिका रही.!!*

इंदौर BRTS 9 महीने अटका: 100 मीटर ही हट सकी रेलिंग, चौथे प्रयास में एजेंसी तैयार, ट्रैफिक सुधार की उम्मीद

इंदौर। 2013 में ट्रैफिक सुधार के उद्देश्य से बनाये गए बीआरटीएस (बस रैपिड ट्रांजिट सिस्टम) कॉरिडोर ने अब ट्रैफिक के लिए ही समस्याएं खड़ी कर दी हैं। रोजाना जाम की स्थिति बनी रहती है और बीआरटीएस हटाने के आदेश को 9 महीने बीत जाने के बाद भी सिर्फ शुरुआती 100 मीटर रेलिंग हट सकी है। भोपाल में बने बीआरटीएस को इंदौर के बाद ही हटाया जा चुका था, लेकिन इंदौर में लगातार तीन बार टेंडर फेल होने के कारण कार्य लंबित रहा। चौथे प्रयास में राजगढ़ की एजेंसी तैयार हुई है और इसे लगभग 2.55 करोड़ रुपए में ठेका दिया गया। निगम पहले 3.68 करोड़ रुपए में काम देना चाहता था। नगर निगम का कहना है कि बीआरटीएस हटाने के साथ ही नए डिवाइडर और लाइटिंग का काम तुरंत शुरू किया जाएगा, ताकि दुर्घटना की आशंका न रहे। महापौर राजेंद्र राठौर ने बताया कि रेलिंग हटाने के बाद ट्रैफिक संभालना चुनौतीपूर्ण होगा, इसलिए बीआरटीएस हटाने और डिवाइडर बनाने का काम एक साथ किया जाएगा।

बीआरटीएस का राजीव गांधी प्रतिमा से निरंजनपुर तक 11.5 किमी लंबा कॉरिडोर है। इसे हटाने के लिए दो जनहित याचिकाएं हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में लगी थीं, जिन्हें मुख्य पीठ जबलपुर ट्रांसफर कर दी गई थी। फरवरी 2025 में हाईकोर्ट ने बीआरटीएस हटाने के आदेश दिए और मौजूदा परियोजना की व्यवहारिकता जांचने के लिए 5 सदस्यीय कमेटी बनाने के

निर्देश दिए। बीआरटीएस हटने के बाद 15 चौराहों और तिराहों पर ट्रैफिक को रफ्तार मिलेगी, जहां हर दिन 3 लाख से ज्यादा वाहन निकलते हैं। फिलहाल पीक ऑवर में इन चौराहों से वाहन तीन बार ग्रीन सिग्नल होने के बाद ही निकल पाते हैं। प्रमुख ट्रैफिक प्रभावित क्षेत्र हैं चिड़ियाघर से जीपीओ, गीता भवन, पलासिया, इंडस्ट्री हाउस, एलआईजी और रसोमा। कॉरिडोर की आरसीसी बीम की लंबाई 10,475 मीटर, चौड़ाई 0.35 मीटर और गहराई 0.30 मीटर है। इसे हटाने पर 17.29 लाख रुपए खर्च आएंगे। 18 बस शेल्टर हटाने में 8.20 लाख रुपए, छोटे आरसीसी हटाने में 3.25 लाख रुपए और स्टील रेलिंग हटाने पर कुल 34.70 लाख रुपए खर्च होंगे। कॉरिडोर से 1.53 लाख किलो स्टील निकलेगा, जिसे 30 रुपए प्रति किलो की दर से 46 लाख रुपए में बेचा जा सकेगा। कुल मिलाकर निगम की कमाई लगभग 3.37 करोड़ रुपए होगी।बीआरटीएस हटने के बाद ट्रैफिक को अतिरिक्त 24 से 30 मीटर जगह मिलेगी, जिससे जाम और बॉटलनेक की समस्या में काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

सहायक उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने दीपावली की रात 85 वर्षीय बुजुर्ग मां को खोजकर परिजनों से मिलवाया, परिवार में लौटी खुशियां

करैरा : करैरा थाने के सहायक उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए दीपावली की रात गुम हुई 85 वर्षीय बुजुर्ग महिला को खोजकर उनके परिजनों से सकुशल मिलवाया। इस सराहनीय कार्य से न केवल परिवार में खुशियां लौट आईं, बल्कि करैरा पुलिस की संवेदनशीलता और तत्परता की पूरे क्षेत्र में प्रशंसा हो रही है जानकारी के अनुसार, करैरा थाना क्षेत्र के आईटीबीपी कैंप में रहने वाली शारदा देवी (85 वर्ष), जो कि असिस्टेंट कमांडेंट मुकेश यादव की माताजी हैं, सोमवार शाम अचानक घर से निकल गईं। उन्हें भूलने की बीमारी होने के कारण परिवारजन अत्यंत चिंतित हो उठे

सूचना मिलते ही सहायक उप निरीक्षक (ASI) शैलेन्द्र सिंह चौहान एवं चालक एनआरएस संतोष बंशकार तत्काल हरकत में आ गए। उस समय दोनों अधिकारी मोबाइल वाहन से कस्बा गश्त पर थे उन्होंने बिना किसी विलंब के कस्बे, बाजार और आसपास के क्षेत्रों में तलाश अभियान शुरू किया। लगातार खोजबीन के बाद माताजी झांसी रोड बस स्टैंड के पास मिलीं पुलिस टीम ने माताजी को सुरक्षित वाहन से घर पहुंचाया जैसे ही शारदा देवी घर लौटीं, परिवार में दीपावली की खुशियां लौट आईं परिवारजन भावविभोर होकर पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया

असिस्टेंट कमांडेंट मुकेश यादव ने भावुक होते हुए कहा

» मेरी माताजी शाम को अचानक घर से निकल गई थीं। जब मैंने करैरा थाने के सहायक उप निरीक्षक शैलेन्द्र चौहान को सूचना दी, उन्होंने तुरंत कार्रवाई प्रारंभ की और कुछ ही मिनटों में मेरी मां को सुरक्षित खोज निकाला दीपावली की रात मेरे परिवार को अनहोनी से बचाने के लिए मैं शैलेन्द्र चौहान और उनकी टीम का हृदय से आभारी हूं मैं अपने कमांडेंट महोदय एवं एसडीओपी करैरा से अनुरोध करूंगा कि उन्हें प्रशस्ति पत्र और सम्मान प्रदान किया जाए सहायक उप निरीक्षक शैलेन्द्र सिंह चौहान अपने कर्तव्यनिष्ठ, तत्पर और मानवीय दृष्टिकोण के लिए जाने जाते हैं उन्होंने कई मौकों पर तत्काल कार्रवाई कर नागरिकों का विश्वास जीता है दीपावली की रात की उनकी यह कार्यवाही न केवल एक परिवार के लिए सुखद क्षण लेकर आई, बल्कि समाज के लिए यह प्रेरणा भी बनी कि पुलिस सिर्फ कानून की रखवाली नहीं करती, बल्कि मानवता की भी सच्ची प्रहरी है.!!

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद 11 जवानों को दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर साल 2024-25 में शहीद हुए 11 पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

शहीदों में संजय पाठक, निरीक्षक जिला खंडवा; रमेश कुमार धुर्वे, निरीक्षक PTS उज्जैन; रामचरण गौतम, सहायक उप निरीक्षक 25वीं वाहिनी विशेष सशस्त्र बल भोपाल; महेश कुमार कोरी, कार्यवाहक सहायक उप निरीक्षक जीआरपी जबलपुर; संतोष कुशवाहा और प्रिंस गर्ग, कार्यवाहक प्रधान आरक्षक सतना; अभिषेक शिंदे, गोविंद पटेल, अनुज सिंह, सुंदर बघेल और अनिल यादव शामिल थे। सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का दिन हमारे वीर पुलिसकर्मियों को याद करने और उनके योगदान को सम्मानित करने का दिन है। उन्होंने कहा कि देश की एकता और अखंडता के लिए इन शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति दी, विशेषकर चीन की कायराना हरकत के जवाब में पुलिसकर्मियों ने अपने कर्तव्य पथ पर जीवन का बलिदान दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परिवार में किसी की शहादत हमेशा दुखदायी होती है, लेकिन उनके बलिदान को हम कभी नहीं भूलेंगे। इस अवसर पर सीएम ने पुलिस की भूमिका को भी उजागर किया और कहा कि पुलिस न केवल नक्सलियों और साइबर अपराध के उन्मूलन में सक्रिय है, बल्कि जनजागरण और समाजिक सुरक्षा में भी अहम भूमिका निभा रही है। उन्होंने बताया कि गौ तस्करी, अपराध नियंत्रण और जनहित के अभियान में पुलिस की सहायता से राज्य में शांति और सुरक्षा बनी हुई है। सीएम ने यह भी घोषणा की कि अगले तीन वर्षों में साढ़े 7 हजार पदों पर पुलिस भर्ती करने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने मिशन कर्मयोगी और अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों के तहत पुलिसकर्मियों के कौशल और तैयारियों की सराहना की। उन्होंने यह भी उदाहरण दिया कि हाल ही में पुलिसकर्मियों ने CPR देकर विधायक मधु वर्मा की जान बचाई, जिससे पुलिसकर्मियों की बहादुरी और जिम्मेदारी का परिचय मिला। मुख्यमंत्री ने शहीदों के परिवारों के प्रति सरकार की पूर्ण जिम्मेदारी और सहारा देने का भरोसा भी दिलाया। उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत को हमेशा सम्मान मिलेगा और उनके परिवारों के साथ सरकार खड़ी रहेगी।

पूर्व शिक्षा मंत्री दीपक जोशी धनतेरस अवसर पर असहाय परिवार को दी सहायता

संजय प्रेम जोशी

लाख जतन के बावजूद भी आदिवासी बाहुल्य बागली क्षेत्र में कई परिवार मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। विगत वर्षों में उज्ज्वला योजना के तहत महिलाओं को निशुल्क गैस कनेक्शन और चूल्हे वितरित किए गए उस वक्त शासन प्रशासन द्वारा निचले स्तर से लेकर उच्च स्तर तक सर्वे कराया और सर्वे के दौरान पात्र हितग्राहियों को उज्जवला कनेक्शन वितरित किए इसके बावजूद भी बागली मुख्यालय से 5 किलोमीटरदूर बरझाई ग्राम पंचायत के ग्राम साल खेतिया में निवास कल्याणी महिला अवंती बाई इस योजना से वंचित रह गई उसके परिवार में चार संतानों में तीन संतान जन्म से दृष्टि बाधित हे उक्त महिला को खाना बनाने में बहुत परेशानी आती थी यह समाचार पूर्व शिक्षा मंत्री एवं क्षेत्र से पूर्व के विधायक रहे दीपक जोशी को लगा उन्होंने धनतेरस अवसर पर इस परिवार की सहायता करने के लिए देवास मुख्यालय से गेस चुल्हा टंकी रेगुलेटर लाइटर आदि खरीद कर संबंधित परिवार की मुखिया के सुपुर्द किया साथ ही आने वाले वर्षों में स्वयं की ओर से गैस आपूर्ति पूर्ण करने का आश्वासन दिया। जानकारी अनुसार यह परिवार बेहद दयनिय स्थिति में पुराने आवास में निवास कर रहा है। प्रधानमंत्री आवास स्वीकृति के निर्माण में कुछ तकनीकी परेशानी आने से पूर्ण नहीं हो पाया। इस दौरान पूर्व सरपंच अली भाई पटेल पवन राठौर मुकेश गुप्ता बंसी प्रजापत किशोर सोरठ चेतन योगी धर्मेंद्र झालोरीया बागली नगर परिषद पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान पार्षद प्रतिनिधि अमोल राठौर सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे। जानकारी में आया कि तकनीकी कमीयो के चलते उक्त परिवार को कोई भी आर्थिक सहायता नहीं मिल पा रही है।

गुलाब सलाट-मेहनत, लगन और आत्मविश्वास की जीवंत मिसाल

एक्शन एक्टर गुलाब सलाट को मिला ''राष्ट्रीय एकता सम्मान''

लोक गौरव राष्ट्रीय एकात्मता परिषद द्वारा राज्यस्तरीय लोक सेवा गौरव अवार्ड

मुंबई (रणजीत टाइम्स ब्यूरो): गुजरात के आनंद ज़िले के एक साधारण परिवार में जन्मे मा. गुलाब सलाट, आज भारतीय सिनेमा जगत में एक उभरते हुए एक्शन एक्टर के रूप में अपनी अलग पहचान बना चुके हैं। 12 अक्टूबर 2025 को वाशी, नवी मुंबई में आयोजित लोक गौरव राष्ट्रीय एकात्मता परिषद राष्ट्रीय एकता सम्मान महोत्सव में उन्हें "लोक सेवा गौरव अवार्ड" से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष धन्यवाद नासिर खान सर एवं सलमा खान मैडम जी को दिया गया।

संघर्ष की शुरुआत-तंबू से मुंबई तक का सफर

गुलाब सलाट के पिता तम्मा भाई सलाट अत्यंत गरीब थे और उन्होंने जीवनभर एक साधारण खाट-तंबू में रहकर संघर्ष किया। किंतु उन्होंने अपने बेटे के सपनों को कभी मरने नहीं दिया। बचपन से ही गुलाब को फिल्मों की दुनिया से गहरा लगाव था। केवल 8 वर्ष की आयु में उन्होंने अपने पिता से कहा था।

"एक दिन मैं फिल्मों में काम करूंगा।"

पिता ने बेटे के सपनों को पंख दिए और उन्हें ऑल इंडिया वाडो काई कराटे दो अकादमी में दाखिला दिलाया। यहीं से गुलाब ने अपने जीवन की दिशा तय की-एक्शन और मार्शल आर्ट के माध्यम से फिल्मी जगत में पहचान बनाना।

हैदराबाद से मुंबई-मेहनत और धोखे की कहानी

डांस और जिमनास्टिक में दक्षता प्राप्त करने हेतु गुलाब हैदराबाद गए और एक वर्ष का कोर्स पूरा किया। इसके बाद पिता-पुत्र मुंबई पहुंचे ताकि फिल्मों में अवसर मिल सके। परंतु किस्मत ने फिर परीक्षा ली-एक निर्देशक ने 15,000 ठग लिए और काम देने का वादा पूरा नहीं किया। निराश होकर वे आनंद लौट आए, और शीघ्र ही पिता का निधन हो गया। यह उनके जीवन का सबसे कठिन दौर था।

संघर्ष से सफलता तक

पिता के निधन के बाद भी गुलाब ने हार नहीं मानी। उन्होंने कराटे सिखाना शुरू किया, छोटे-छोटे स्टेज शो किए और अपनी मेहनत से परिवार का गुज़ारा किया। इन संघर्षों के बीच उन्होंने ठान लिया कि अपने पिता का नाम रोशन करना ही उनका जीवन उद्देश्य रहेगा। लगातार प्रयासों के बाद उन्हें टीवी सीरियल 'जय जय जग जननी दुर्गा मां जय बजरंगबली' में अवसर मिला- यहीं से फिल्मों में उनका सफर प्रारंभ हुआ।

अब "एक्शन" ही पहचान

आज गुलाब सलाट एक प्रशिक्षित एक्शन एक्टर हैं, जिन्होंने मार्शल आर्ट, कराटे, जिमनास्टिक, योगा, बॉडी स्टंट, ब्रेक डांस, लाठी, ननचाकू, तलवार, राइफल शूटिंग और फिल्मी अभिनय में विशेष दक्षता हासिल की है।

»» उन्होंने कहा -» "मैं अपने पिता का नाम रोशन करने का सपना जल्द ही पूरा करूंगा।"

गुलाब को अब तक कई प्रतिष्ठित पुरस्कार मिल चुके हैं-

»» दिल्ली बॉलीवुड सिने रिपोर्टर अवार्ड
»» नागपुर गौरव महाराष्ट्र अवार्
»» मुंबई जन गौरव कार्य दर्पण अवार्ड
»» वडोदरा सिने मीडिया अवार्ड वाइब्रेंट गुजराती फिल्म
»» अवार्ड सम्मान और प्रेरणा
»» गुलाब सलाट की कहानी उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणादायक है जो परिस्थितियों से हार मान लेते हैं। उनका जीवन संदेश देता है कि "संघर्ष चाहे कितना भी बड़ा हो, अगर इरादा मजबूत है तो सफलता निश्चित है।"

महू की ऐतिहासिक पारंपरिक ढोक पड़वा धूमधाम से मनाई

महू-इंदौर- जुगनू जादवसिंह धनावत ने बताया महू की ऐतिहासिक पारंपरिक ढोक पड़वा पर रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और स्थानीय लोगों ने जगह-जगह ढोल धमाको के साथ आत्मीय स्वागत किया नगर भ्रमण में मुख्य रूप से प्रदेश कांग्रेस सेवादल अध्यक्ष योगेश यादव, जिला कांग्रेस अध्यक्ष विपिन वानखेडे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता कैलाशदत्त पांडे, जिला पंचायत सदस्य कन्हैयालाल ठाकुर, मुजीब कुरैशी, रामेश्वर पटेल, शक्तिसिंह गोयल, जुगनू जादवसिंह धनावत, जीतू ठाकुर, विजय नौलखा, पुनीत शर्मा, एडवोकेट दिनेश पंचोली, जनपद प्रतिनिधि चंदरसिंह ठाकुर, अमित अग्रवाल, देवेंद्र अग्रवाल, विष्णु हारोड़, कैलाश गोयल,मनीष वर्मा, पुनीत शर्मा,बैकुंठ पटेल, दिलीपसिंह गोयल, राजकुमार बागड़ी, गजेंद्रसिंह राठौर, हुक्कम आंजना,महेंद्र यादव, नरेश जोशी, मुन्नालाल वर्मा, हरिराम चौहान, बाबूलाल भूत, राहुल शर्मा, बाबूलाल अमेरिया,मंसूर पटेल, रशीद पटेल, एहसान पटेल, विष्णु मालवीय, जगमोहन सोन,रवि मिश्रा,ओम पटेल, विवेक सकोरिया, मनमोहन गुनावत, राम पटेल, वीरेंद्र झंझोट, शुभम जैन, दीपक सेठ, भगत भाट,गोपाल नेगी,भगवान चौधरी,प्रकाश चौधरी, रवि पटेल, पूनमचंद, घनश्याम यादव, उमरावसिंह, रामचंद्र नेताजी,गणेश यादव, नरेंद्र मीणा, विवेक मीणा, शैलेश जाट, रोहित कागट, अरविंद गुनावत, शिबू भाई,साकिर खान, मुस्तकीम कुरैशी, सद्दाम पटेल, विष्णु दाहिया, अरुण गुर्जर, मनमोहन कौशल, रोहित ठाकुर, विकास ठाकुर, योगेश बीना, लोकेश जाट, राकेश पाटीदार,राजू, अंशुल राठौर, इत्यादि सैकड़ो जन उपस्थित होकर पांच दिवसीय दीप उत्सव की शुभकामनाएं दी।

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार , 28 अक्टूबर 2025 से 3 नवम्बर 2025 तक

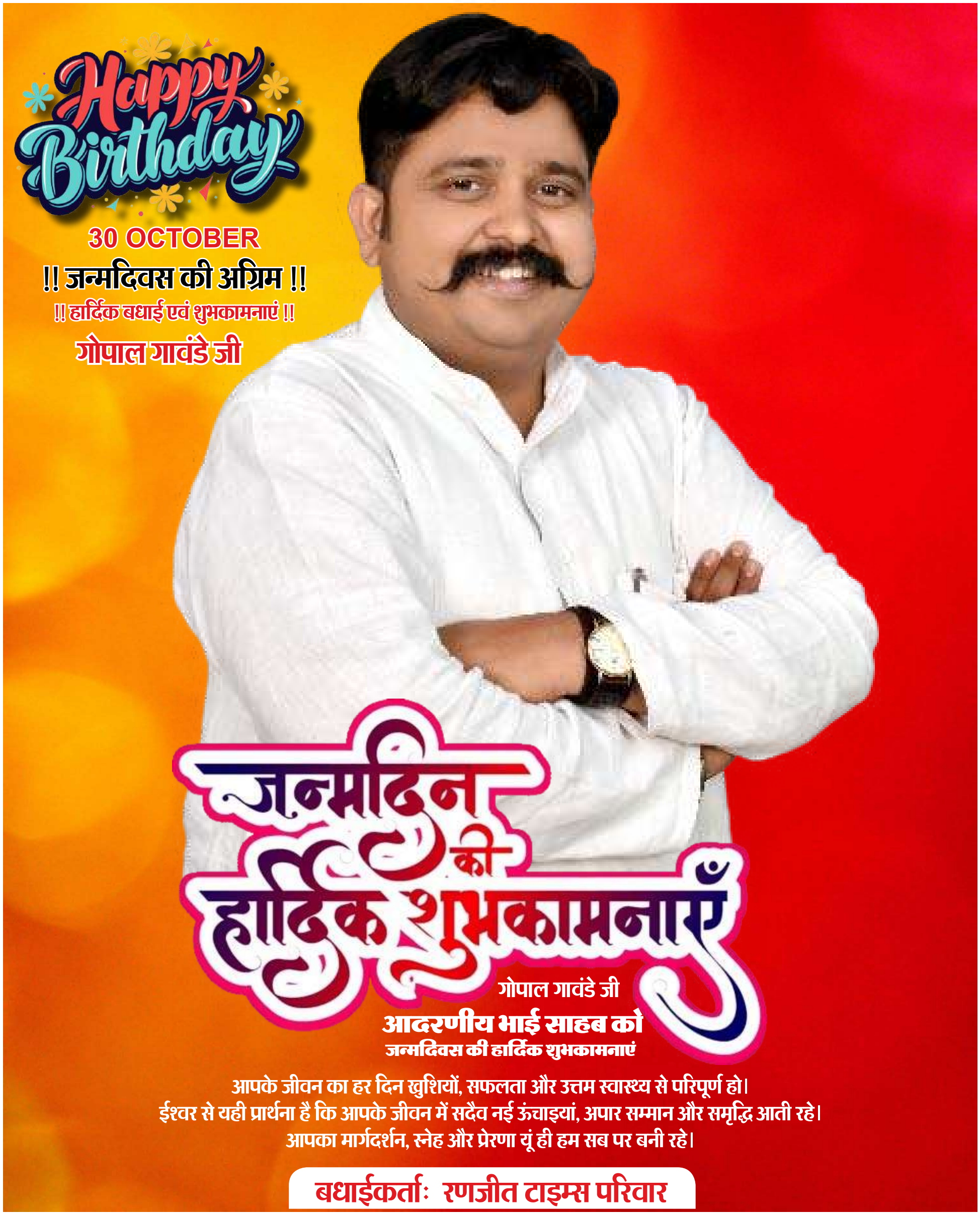

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)